

अध्यापन-शैली, पढ़ाने का ढंग यथा- कुछ स्कूलों की पढ़ाई बहुत अच्छी है।

पढ़ाकू वि. (देश.) 1. बहुत पढ़ने वाला, हर समय पढ़ते रहने वाला यथा- दिन भर पढ़ते रहने वाले पढ़ाकू भी फेल हो गए।

पढ़ाना स.क्रि. (तद्.) 1. शिक्षा देना 2. पुस्तक आदि का शिक्षण देना, अध्यापन करना 3. कोई कला या हुनर सिखाना 4. तोते-मैना आदि को बोलना सिखाना, रटवाना 5. सिखाना, समझाना।

पढ़िना पुं. (देश.) 1. एक प्रकार की सेहरा रहित मछली 2. पढ़ना।

पढ़ौनी स्त्री. (देश.) 1. दे. पढ़ाई 2. पढ़ाई करना।

पढ़्यमान वि. (तद्.) पढ़ा जाने योग्य, सुपाठ्य, जिसे पढ़ा जा सके।

पण पुं. (तत्.) 1. एक ऐसा खेल जिसमें हारने वाला निश्चित धन या निर्दिष्ट वस्तु जीतने वाले को देता है 2. कोई ऐसा कार्य जिसमें बाजी या शर्त लगाई गई हो 3. प्रतिज्ञा यथा- देशभक्तों ने प्राणों का पण लगा दिया 4. ऐसी वस्तु जिसे देने की शर्त हो, करार हो यथा- दिया गया भाड़ा, पारिश्रमिक आदि 5. कीमत, मोल 6. शुल्क, फीस 7. धन, संपत्ति, जायदाद 8. जुआ, बाजी 9. क्रय-विक्रय की वस्तु 10. व्यवहार, व्यापार, व्यवसाय 11. घर, गृह 12. एक मुट्ठी अनाज के बराबर की एक प्राचीन नाप 13. मद्य-विक्रेता।

पण ग्रंथि स्त्री. (तत्.) बाजार, हाट।

पणचित वि. (तत्.) 1. खरीदा गया या बेचा हुआ 2. जिसकी स्तुति की गई हो, स्तुत।

पणता सं. (तत्.) कीमत, मूल्य, दाम।

पणन पुं. (तत्.) 1. खरीदने की क्रिया या भाव 2. बेचने की क्रिया या भाव 3. व्यापार अथवा व्यवहार करने की क्रिया या भाव 4. शर्त लगाने की क्रिया या भाव, प्रतिज्ञा करना।

पणनीय वि. (तत्.) 1. धन देकर जिससे काम करवाया या लिया जा सके 2. जिसे खरीदा या बेचा जा सके।

पणव पुं. (तत्.) 1. छोटा नगाड़ा 2. छोटा ढोल, ढोलकी 3. एक वार्षिक छंद।

पणवा स्त्री. (तत्.) दे. पणव।

पणवानक पुं. (तत्.) नगाड़ा।

पणवी पुं. (तत्.) शिव का एक नाम।

पणस पुं. (तत्.) ऐसी वस्तु जिसका क्रय-विक्रय किया जा सके, सौदा।

पण-सुंदरी स्त्री. (तत्.) वारवनिता, वेश्या, बाजारू स्त्री, रंडी।

पण-स्त्री पुं. (तत्.) वेश्या, रंडी।

पणस्थि पुं. (तत्.) कौड़ी, कपर्दक।

पणांगना पुं. (तत्.) वेश्या।

पणाया स्त्री. (तत्.) 1. क्रय-विक्रय का व्यवहार, बाजार, विनिमय 2. द्यूत, जुआ 3. व्यापार से होने वाला लाभ 4. स्तुति 5. रोजगार।

पणार्पण पुं. (तत्.) 1. संधि 2. शर्त, करारनामा, क्रय-विक्रय के निमित्त लिया गया उभय पक्षीय निर्णय।

पणास पुं. (तद्.) विनाश, नाश।

पणासी पुं. (तद्.) विनाशक, नष्ट करने वाला।

पणि पुं. (तत्.) 1. वैदिक संहिता काल की एक जाति 2. बाजार, दुकानों की पंक्ति, हाट 3. कंजूस 4. पापी।

पणित पुं. (तत्.) 1. प्रशंसित, स्तुत, जिसकी प्रशंसा की गई हो 2. खरीदा या बेचा गया, क्रीत-विक्रीत पुं. 1. बाजी, शर्त 2. जुआ 3. जुआरी 4. बयाना।

पणितव्य वि. (तत्.) 1. खरीदने योग्य 2. बेचने योग्य 3. व्यवहार करने योग्य 4. प्रशंसा करने योग्य।

पणिता पुं. (तत्.) व्यापारी, सौदागार, क्रय-विक्रय करने वाला व्यक्ति।